

बुक कवर डिज़ाइन

(BOOK COVER DESIGN)

बुक कवर डिज़ाइन का कार्य आरम्भ करने से पूर्व डिज़ाइन (Design) शब्द का अभिप्राय स्पष्ट होना अनिवार्य है। किसी भी स्थान व वस्तु को सुव्यवस्थित रूप देकर सुसज्जित करना ही रूपांकन (Design) कहलाता है। प्रायः विद्यार्थी समझते हैं कि कागज़ पर पेन्सिल व रंग से फूल पत्तियों द्वारा जो डिज़ाइन बनाया जाता है, वही एकमात्र डिज़ाइन कहा जाता है। वस्तुतः प्रत्येक चीज़ का निर्माण करने से पहले उसका काल्पनिक चित्र बनाया जाता है, जब वह सब दृष्टिकोणों से पूर्ण चित्र बन जाता है वही डिज़ाइन है और फिर डिज़ाइन के अनुसार उस वस्तु का कारखानों आदि में निर्माण किया जाता है। उदाहरण के लिए दुकान में कोई भी वस्तु ले लो-कपड़े, बर्तन, खिलौने, कई प्रकार की शीशियां, पैकेटस आदि सभी वस्तुओं का पहले डिज़ाइन बनता है, फिर निर्माण होता है। भवन, पुल, बाँध आदि कोई भी बनाना हो तो पहले इसका डिज़ाइन ही तैयार होता है। फिर उसे सम्बन्धित अधिकारी एवं मजदूर कार्य रूप देते हैं।

पुस्तक के बाहर से जो सजावट की जाती है उसे बुक कवर डिज़ाइन (Book Cover Design) कहते हैं। आपके पास एवं पुस्तक विक्रेताओं के पास जितनी भी पुस्तकें हैं सबके बाहर का पृष्ठ पहले कोई Designer अपनी कल्पना से बनाता है, फिर प्रेस में छापा जाता है। आपके पाठ्यक्रम में उपरोक्त विषय को इसी दृष्टिकोण से रखा गया है कि कला छात्र को अपनी पुस्तकों के मुख पृष्ठ स्वयं बनाने की प्रेरणा दी जाए। कला विषय का सफल अध्ययन तभी माना जाएगा जब सीखी गई चीज़ों को कार्य रूप में परिणित किया जाए। कला छात्र को विशेष अवसरों पर भेंट किए जाने वाले शुभकामना पत्रक (Greeting Cards) विज्ञापन चित्र (Posters, Show Cards, Levels तथा Name Plates) तक बनाने का अभ्यास होना चाहिए और समयानुसार प्रयोग करें। बाज़ार से खरीदा हुआ कार्ड (Greeting Card) भेजने की अपेक्षा यदि आप अपने हाथ से निर्मित शुभकामना-पत्रक किसी रिश्तेदार या दोस्त को भेजते हो तो उसका प्रभाव ही कुछ और है। इसका स्नेह तो अधिक होगा ही साथ ही आपकी कला की प्रशंसा आगे से आगे होती जाएगी।

अब बुक कवर डिज़ाइन को बनाते समय किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना पड़ता है, इस बारे में विचार करते हैं-आपके पाठ्यक्रम एवं पुस्तक में सभी विषय दिए गए हैं-Composition, Illustration, Poster तथा Design। इनमें से कुछ चित्र यद्यपि एक जैसे ही हो सकते हैं परन्तु वहाँ पर सावधानी रखनी पड़ेगी क्योंकि उपरोक्त सभी विषयों का अपना-अपना उद्देश्य एवं अपना-अपना प्रभाव होता है। अतः यह अन्तर स्पष्ट होना चाहिए।

Poster Design और Cover Design में खासकर अन्तर समझना आवश्यक है। दोनों प्रकार के डिज़ाइन में Lettering तथा Figures होती हैं। इसके लिए यह स्पष्ट होना चाहिए कि Poster एक ऐसा सन्देश प्रद चित्र है जोकि काफी दूर से भी देखा जा सकता है, जबकि Book Cover Design को काफी नजदीक से देखने का अवसर मिलता है। Poster में बारीकी (Detail) नहीं दिखाई जाती, परन्तु Book Cover में कुछ चीज़ें बारीकी से दर्शायी जा सकती हैं। Poster में Boldness का होना, नितान्त आवश्यक है। Book Cover Design के निम्नलिखित भाग होते हैं :-

1. पुस्तक का नाम (Name of Book)
2. सम्बन्धित चित्र (Illustration)
3. लेखक का नाम (Name of Writer)
4. प्रकाशक का नाम (Name of Publisher)

उपरोक्त भागों पर अब क्रमशः विचार करेंगे। सर्वप्रथम Book Cover Design में पुस्तक का नाम है।

- 1. पुस्तक का नाम (Name of Book)** - बुक कवर डिज़ाइन से स्पष्ट है कि वह डिज़ाइन किसी पुस्तक के लिए बन रहा है, अतः उस पुस्तक का नाम अवश्य होगा। डिज़ाइन के लिए निर्धारित स्थान में पुस्तक का नाम प्रमुख होना चाहिए। दर्शक की सबसे पहली नज़र पुस्तक के नाम पर पड़े यह प्रयास आवश्यक हैं। पहले हल्के हाथ से Rough Sketch बनाओ, उसमें कागज़ के प्रायः ऊपर के भाग में नाम के लिए स्थान दिया जाता है परन्तु विषय एवं संयोजन के आधार पर आप कहीं पर भी नाम लिख सकते हैं यदि उपरोक्त नियम की अवहेलना न होती हो। यह केवल कागज़ में स्थान देकर ही काफी न होगा उसके बाद अक्षरों की बनावट, रंग एवं अन्य सामग्री पर निर्भर करेगा। चित्र इतना बड़ा या अधिक न हो कि पुस्तक का नाम छुप जाए या नगण्य सा हो जाए। अतः उचित स्थान, उचित अक्षर एवं आकर्षक रंगों का प्रयोग आवश्यक है। इसके अतिरिक्त पुस्तक के नाम के अनुसार

का नाम “फूल और कांटे” है। अब इसके लिए अक्षरांकन (Lettering) करते समय ध्यान रखना आवश्यक है कि फूल का स्वभाव तथा प्रभाव (Character and Impression) कैसा होता है, अवश्य ही यह कोमल, स्वच्छता, आनन्ददायक व शान्तिदायक है। इसलिए फूल के अक्षर कोमलता प्रदर्शित करने वाले होने चाहिए। यहाँ पर रोमन इटैलिक अक्षरों का प्रयोग होना चाहिए या अलंकरण युक्त अक्षर हों ताकि वह कोमलता प्रदर्शित करें। दूसरी ओर कांटे हैं जिनका स्वभाव एवं प्रभाव फूल के बिल्कुल विपरीत है—कष्टदायक एवं कठोरता लिए हुए है। इसलिए ‘कांटे’ शब्द के लिए जो अक्षरों की बनावट चुनी जाए वह कठोरता का अभ्यास दें तभी वह उचित डिजाइन समझा जाएगा। इसके लिए काफी Bold Capital Letters का चयन हो सकता है।

इसी बात का रंग योजना में भी ध्यान रखना होगा। रंगों का ज्ञान भी आपको होना चाहिए। आपकी पुस्तक में Textile design Position के अन्तर्गत रंगों की विस्तृत चर्चा की गई है अतः उसका मनन करने से आपके कार्य में काफी निखार आ सकता है। जैसे लाल रंग काफी जोशीला, निर्भीक एवं उष्ण रंग है। पीला उत्तेजक, सफलता का प्रतीक एवं उष्ण है जबकि नीला रंग शीतल, शिथिलता, शान्ति आदि गुणों को प्रदर्शित करता है। अभिप्राय यह है कि नाम की सार्थकता को अक्षरों की बनावट तथा रंगों के प्रभाव से उचित ढंग से दर्शाना है।

2. सम्बन्धित चित्र (Illustration) – पुस्तक के नाम के बाद दूसरा स्थान पुस्तक से सम्बन्धित चित्र का है। पुस्तक का नाम पुस्तक के अन्दर के विषय के अनुसार होता है। इसलिए चित्र भी उसी विषय से सम्बन्धित होना चाहिए। चित्र बनाते समय यह बात दिमाग में रखना आवश्यक है कि पुस्तक के अन्दर की सामग्री पर किस चीज़ का प्रभाव सबसे अधिक है, उसी चीज़ का चित्र Book Cover पर संक्षिप्त रूप से अंकित होना चाहिए, यदि आप ऐसा नहीं करते तो Book Cover Design की सार्थकता प्रायः निष्फल हो जाएगी।

3. लेखक का नाम (Name of Writer) – पुस्तक बनाने वाले को लेखक कहते हैं। Book Cover Design में यह भी आवश्यक हो जाता है कि जिसने पुस्तक लिखी हो उसका नाम पुस्तक के बाहर मुख्यपृष्ठ पर भी लिखा जाए, ताकि ग्राहक को लेखक का नाम ढूँढने के लिए पुस्तक खोलनी न पड़े। परन्तु पुस्तक के नाम और लेखक के नाम में जो स्थान एवं अक्षरों की बनावट प्रयोग की जाती है उसमें काफी अन्तर होना चाहिए। पुस्तक उठाते ही सर्वप्रथम दृष्टि पुस्तक के नाम पर पड़े, फिर पुस्तक से सम्बन्धित चित्र, उसके बाद लेखक तथा प्रकाशक पर पड़नी चाहिए। ऐसा न हो कि पहले लेखक पर नज़र पड़े और फिर ढूँढने

4. **प्रकाशक का नाम (Name of the Publisher)** - पुस्तक जब लेखक तैयार कर लेता है तो पब्लिशर उसे छपवाता है, इसलिए छपवाने वाला भी इसका अधिकारी है कि उसका नाम पुस्तक के मुख्य पृष्ठ पर सुसज्जित हो। परन्तु यहां पर Designer को चाहिए कि उसका नाम किसी स्थान पर दिया जाए। आम तौर पर पुस्तक के पिछले पृष्ठ पर Publisher का नाम दिया जाता है। वरना मुखपृष्ठ पर Conjection हो जाती है।

सामान्य बातें

(GENERAL POINTS)

आजकल विज्ञापन चरम सीमा पर पहुंच गया है, कदम-कदम पर आप कोई न कोई विज्ञापन देखते ही रहते हैं। इसलिए बाजार में जो भी वस्तु बिक्री के लिए आती है, उसका प्रमुख गुण आकर्षण होना चाहिए, और आकर्षण सदैव स्वच्छता एवं वस्तु आदि में स्वच्छता एवं सौन्दर्य का अभाव होगा वहीं तिरस्कृत होता रहेगा इसके लिए आवश्यक है कि आप Book Cover Design बनाते समय स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। स्वच्छता रखने से कई छोटी-मोटी त्रुटियों भी छिप जाती हैं। दूसरी ओर यदि कार्य में स्वच्छता नहीं है तो बिल्कुल सही कार्य भी ऐसा लगेगा कि सब गलत है और आकर्षक तो दूर रहा, देखने को भी दिल नहीं करेगा।

कार्य में भले ही सरलता हो परन्तु सुन्दरता अनिवार्य है। इसमें घबराने की बात नहीं कि Lettering Illustration कैसा किया जाए, साधारण से अक्षरांकन हो सकते हैं और संक्षिप्त चित्र का प्रयोग कर सकते हैं। यह आवश्यक नहीं कि बहुत मुश्किल लिखाई या बड़े-बड़े चित्र ही आकर्षक हों। चित्र की आकृतियां यद्यपि बिल्कुल सही न हों और बाकी नियम ठीक हैं तो कार्य सफल माना जाएगा।

बुक कवर डिज़ाइन के लिए कागज़ की बांट

(PAPER DIVISION FOR BOOK COVER DESIGN)

Book Cover के लिए डिज़ाइन तथा उसके लिए Paper Division करने से पहले यहां पर एक बात और स्पष्ट करनी है। Title Page और Book Cover में अन्तर समझना आवश्यक है। Title तो पुस्तक जब तैयार होती है तभी सबसे ऊपर जुड़ जाता है और Book Cover Design के केवल अग्रभाग की प्रति किताब के बाहर अग्रभाग पर चिपकाई जाती है और इसे मुख पृष्ठ या Title Page कहा जाता है। परन्तु Book Cover तो सारी पुस्तक को ढकता है, बचाव करता है तभी तो उसका नाम Book Cover पड़ा। Title के लिए केवल पुस्तक का अग्रभाग बनाया जाता है।

Design में क्योंकि Cover ने सारी किताब ढकनी (Cover) है अतः पुस्तक का अग्रभाग, पार्श्व भाग, पुस्तक की मोटाई और फिर दोनों भागों के अन्दर Cover के दोनों किनारे मुड़ने चाहिए। यदि ये किनारे नहीं मुड़ेंगे तो Cover पुस्तक से कैसे जुड़ेगा। इस प्रकार Title और Book Cover में ये अन्तर है। Book Cover Design में अग्रभाग और पार्श्वभाग दोनों में डिज़ाइन देना है परन्तु पार्श्वभाग में बिल्कुल ही संक्षिप्त चित्र हो।

Book Cover Design बनाने के लिए कागज़ को सुव्यवस्थित ढंग से बांटना है। इसके लिए जो-जो बातें या नाम आवश्यक हैं वे निम्न प्रकार से हैं :-

1. पुस्तक के अग्रभाग और पार्श्वभाग का नाम।
2. पुस्तक की मोटाई।
3. बुक कवर के दोनों ओर से पुस्तक के अन्दर मोड़ने का नाम।

अब इसके बाद समझने के लिए अपनी पुस्तक के Book Cover Design Portion का पहले चित्र देखिए-

A से B तक-कागज़ की लम्बाई में।

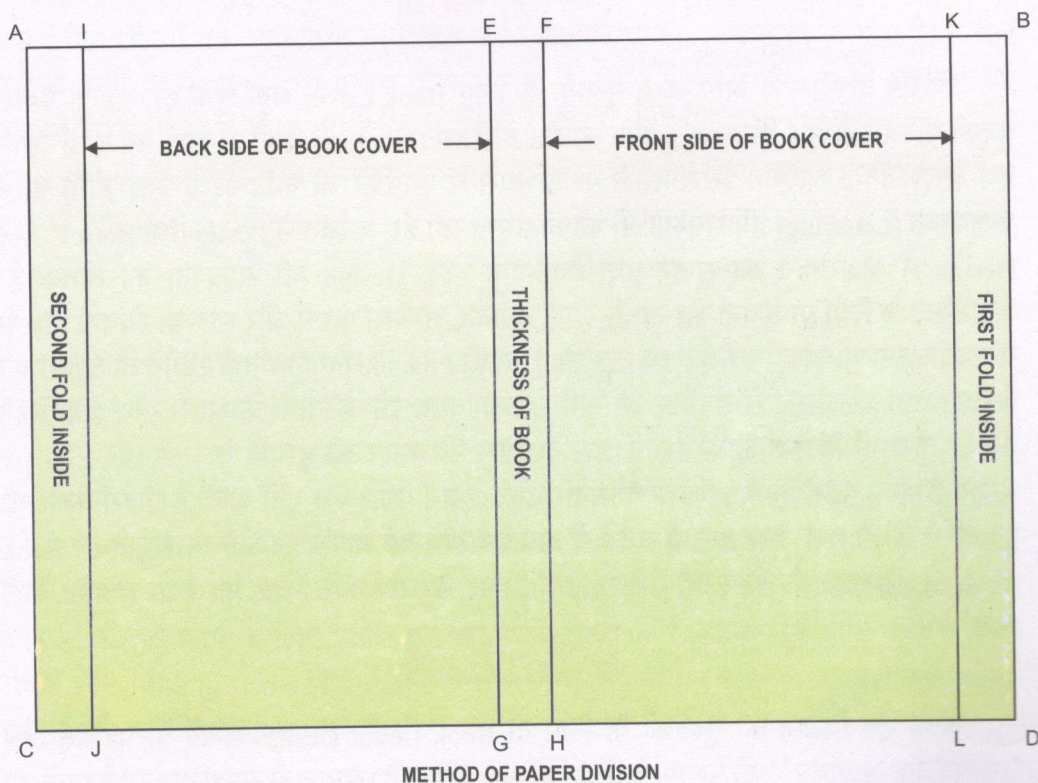
1. A से I तक कवर का किनारा पुस्तक तक मोड़ने के लिए।
2. I से E तक, पुस्तक के पार्श्व भाग के लिए।
3. E से F तक, पुस्तक की मोटाई के लिए।
4. F से K तक पुस्तक के अग्रभाग के लिए।
5. K से B तक, कवर का किनारा पुस्तक के अग्रभाग के अन्दर मोड़ने के लिए।

इस प्रकार A से B तक किताब की दोनों पृष्ठों की चौड़ाई + मोटाई + अन्दर मोड़ने वाले भाग लो। कागज़ के ऊपर की ओर A, I, E, F, K, B और नीचे की ओर C, I, G, H, L, D लो।

1. First Fold Inside
2. Front Side of Book Cover
3. Thickness of Book Cover
4. Back Side of Book Cover
5. Second Fold Inside

A से I और K से B तक दोनों भाग किताब के दोनों ओर अन्दर की तरफ मुड़ेंगे, ताकि Book Cover पुस्तक पर बिना चिपकाए जुड़ा रहे। उपरोक्त पांचों भागों में से Front Side वाले Portion में

जा सकता है। यह आवश्यक नहीं कि लेखक व प्रकाशक का नाम अग्रभाग में दिया जाए, लेखक का नाम पुस्तक की मोटाई वाले भाग पर भी लिखा जा सकता है। परन्तु प्रत्येक प्रकाशक का नाम व उसका चिन्ह (Symbol) भी यदि देना हो तो पुस्तक के पार्श्वभाग पर दर्शाया जा सकता है। इन नियमों का सही ढंग से प्रयोग करना परमावश्यक है। Book Cover Design के अन्तर्गत आपकी पुस्तक में कुछ Book Cover बना कर दिखाए गए हैं जो आपके पाठ्यक्रम के अनुसार हैं। सभी निर्धारित विषयों जैसे पाठ्यपुस्तकों, खेलकूद सम्बन्धी पुस्तकें, बच्चों की पुस्तकें आदि पर नमूने प्रस्तुत किए गए हैं। आपके सदैव इनकी नकल ही नहीं करनी है अपितु संकेत लेकर अपनी मौलिक रचनाएं करनी हैं।



अभ्यास-1

आपने Book Cover Design के लिए विषय परिचय अच्छी प्रकार पढ़ लिया है। विषय की रूपरेखा आपके मस्तिष्क में आ गई होगी। कार्य आरम्भ करने के लिए Paper Division का तरीका

अभ्यास नं० 1 आपके पाठ्य पुस्तक का Cover Design बनाना है। इसमें कला विषय की पुस्तक को चुना है। अब कार्य आरम्भ करने से पहले चिन्तन करें कि कला विषय के अन्तर्गत क्या-क्या चीजें हम अपने Book Cover Design में बना सकते हैं। कला में प्रकृति की सभी वस्तुओं का चित्रण होता है जैसे-फूल पत्तियां, नदी, पहाड़, झरने, पशु, पक्षी आदि चीजें बनाई जाती हैं। उसके बाद मानव आकृतियां तथा कला कृतियां स्वतन्त्र रूप से भी की जाती हैं कला सामग्री का संकेत भी दे सकते हैं, अतः अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनकर मुखपृष्ठ के लिए विषयानुसार आकर्षक चित्र बनाओ और संक्षिप्त चिन्ह जो कला से सम्बन्धित हो, बनाने का प्रयास करें, रंगों का सरल, उचित एवं विषयानुसार चयन करें। पहले-पहले अभ्यास केवल Black and White अर्थात् काले रंग से ही बनाए जा सकते हैं।

अभ्यास-2

पिछले अभ्यास में आप कला पुस्तक के लिए Book Cover बना चुके हो, पहला प्रयास काफी परिश्रम से पूर्ण होगा परन्तु फिर ज्ञान व अभ्यास (Practice) बढ़ने से आगे का कार्य सुगम एवं सरल बनता जाएगा। इससे पहले के अभ्यास में आपको जो कठिनाइयां आई होंगी उनमें अक्षरांकन (Lettering) की समस्या भी काफी प्रमुख रही हो, वास्तव में Poster तथा Book Cover Design में अक्षरांकन का सुन्दर तथा आकर्षक होना Design की सफलता का घोटक है। अक्षरांकन के लिए ग्राफ बना कर अर्थात् खाने बनाकर अभ्यास करना और साथ ही स्वतन्त्र हाथ से लिखाई करना भी आवश्यक है। जब तक आप इसकी Practice लगातार नहीं रखोगे तो अक्षरों की बनावट तथा accuracy में सहीपन आ नहीं सकता, अतः इन अध्यायों के साथ-साथ अक्षरांकन का अभ्यास भी नितान्त आवश्यक है। इस अभ्यास में विज्ञान की पुस्तक के लिए Book Cover बनाना है। अब पहले विज्ञान विषय पर नज़र डालें, इसमें क्या-क्या बातें आती हैं। जिस कक्षा की पुस्तक है उसमें क्या-क्या पाठ है उनमें से सबसे महत्वपूर्ण विषय पर अन्तिम रूप देकर Book Cover के डिज़ाइन के लिए तैयार करो, इसी प्रकार अक्षरांकन के लिए भी सुन्दर बनावट वाले अक्षर छांटो।

अभ्यास-3

कला एवं विज्ञान की पुस्तकों के लिए दो Book Cover Design बनाने के पश्चात् अब “सामाजिक अध्ययन” की पुस्तक के लिए Design बनाना है। समाज से सम्बन्धित सभी बातों का अध्ययन इस पुस्तक से होता है। इसका बड़ा विस्तृत क्षेत्र है। अपने परिवार से निकलकर अपने शहर में, शहर से जिले में, जिले से प्रदेश में, प्रदेश से राष्ट्र में और फिर विश्व तक आदमी पहुंचता है, और इन सबका ज्ञान सामाजिक अध्ययन की करवाता है। अतः पुस्तक में दिए गए इस Book Cover Design से संकेत लेकर अन्य Design तैयार करो। इसका क्षेत्र बहुत विस्तृत है अतः इसमें कई Book Cover बनाने का प्रयास करें।

अभ्यास-4

प्रायः देखा गया है कि विद्यार्थी शैक्षणिक विषयों में उदासीनता दिखाते हैं, और जहाँ खेलकूद की बात आई नहीं कि उनका चेहरा खिल जाता है और अपने-अपने पसन्द के खेल में व्यस्त हो जाते हैं। फिर उनको न खाने की फिकर, न सोने की। इतना रुचिकर विषय है-खेल कूद। तो अब लीजिए अपने रुचिकर विषय की पुस्तक के लिए Book Cover Design बनाओ। इसमें तो अधिक सोचने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। आप तो जानते ही हैं कि कितने प्रकार के खेल होते हैं, जिसको आप सबसे सुन्दर समझते हैं उसका संक्षिप्त चित्र बनाओ और उसके ऊपर उसका नाम सुन्दर-सुन्दर अक्षरों में लिख दो। आपने ओलम्पिक खेलों के दौरान विज्ञापन चित्र देखे होंगे, उसमें खिलाड़ियों की आकृतियां वास्तविक रूप में न दिखाकर संक्षिप्त किया गया है। केवल उसका अंगों के संचालन द्वारा प्रभाव दिखाया गया है, परन्तु देखते ही मालूम हो जाता है कि आदमी कौन सा खेल, खेल रहा है। उसी प्रकार Games and Sports पर आधारित एक Book Cover Design आपकी पुस्तक में इस अभ्यास के संकेत के लिए दिया गया है। इसको ध्यान से देखकर और Design तैयार करो।

अभ्यास-5

अन्य खेलों में किसी की रुचि हो या न हो परन्तु क्रिकेट का नाम सुनते ही बच्चे बूढ़े एक बार उछल पड़ते हैं, और जब कभी क्रिकेट शृंखला चल रही हो तो अपने-अपने ट्रांजिस्टर लेकर कानों में लगाए होते हैं। आप किसी खास एक खेल का Book Cover Design भी बना सकते हो, इस अभ्यास में आप क्रिकेट की पुस्तक के लिए Design तैयार करोगे, आप सोचेंगे हम तो गावस्कर की शक्ल नहीं बना सकते, कपिल देव की शक्ल नहीं बना सकते इत्यादि-इत्यादि परन्तु किसी खिलाड़ी का सही रूप न भी बना पा सकते हो तो कोई बात नहीं, आप किसी भी काल्पनिक आकृति को इस कार्य के लिए प्रयोग कर सकते हो। यहां तक किसी कार्टून आदि का सहारा ले सकते हो ताकि Book Cover Design कुछ और भी मनोरंजक बन सके। इसी प्रकार अन्य खेलों की पुस्तकों के लिए Design तैयार करो।

अभ्यास-6

खेलों का सम्बन्ध कुछ व्यायाम एवं योगासनों से भी है। कुछ लोग खेलों में भाग नहीं ले सकते परन्तु व्यायाम और योगासन तो कर ही सकते हैं। अतः कुछ अभ्यास व्यायाम एवं योगासन की पुस्तकों के लिए भी तैयार किया जाए। चित्र में किसी खास व्यायाम या योगासन को सरल ढंग से दर्शाओं और सुन्दर लिखाई से Book Cover डिज़ाइन पूर्ण करो। आपके मार्ग दर्शन के लिए व्यायाम पर एक Design पुस्तक में प्रस्तुत है।

अभ्यास-7

इस अभ्यास में कुछ पक्षी एवं पशुओं पर आधारित Book Cover Design बनाए जायेंगे। आप के इर्द-गिर्द अनेक प्रकार के पक्षी एवं पशु रहते हैं। इसमें कई बहुत सुन्दर भी हैं। कुछ पालतू हैं कुछ वन्य प्राणी हैं। ये धीरे-धीरे लुप्त भी होते जा रहे हैं। इसीलिए इनके संरक्षण के लिए सरकार काफी प्रयत्न भी कर रही है। साधारण पशु-पक्षी की पुस्तकों के अलावा वन्यप्राणी पुस्तकों के लिए Book Cover Design तैयार करो जिसमें इसके संरक्षण के लिए आह्वान किया गया हो। इस सन्दर्भ में चिड़िया घर नामक पुस्तक के लिए Book Cover Design दिया गया है। इसी प्रकार अन्य अभ्यास बनाओ जिसमें पशु-पक्षियों पर आधारित पुस्तकों के लिए Book Cover Design बनाओ।

अभ्यास-8

Book Cover Design के लिए विषयों में विभिन्नता लाना काफी आकर्षक होगा, इसलिए अब अपने देश को प्रदर्शित करने वाली पुस्तकों के लिए भी कुछ Cover Design बनाएं, हिमाचल की कला एवं संस्कृति बहुत सृष्टि एवं प्रसिद्ध है। यहां के रीतिरिवाज, कला आदि को दर्शाने वाली पुस्तक के लिए सुन्दर एवं आकर्षक Book Cover Design बनाओ। इसका एक उदाहरण आपकी पुस्तक में दिया गया है। ऐसे ही अन्य Design बनाओ।

अभ्यास-9

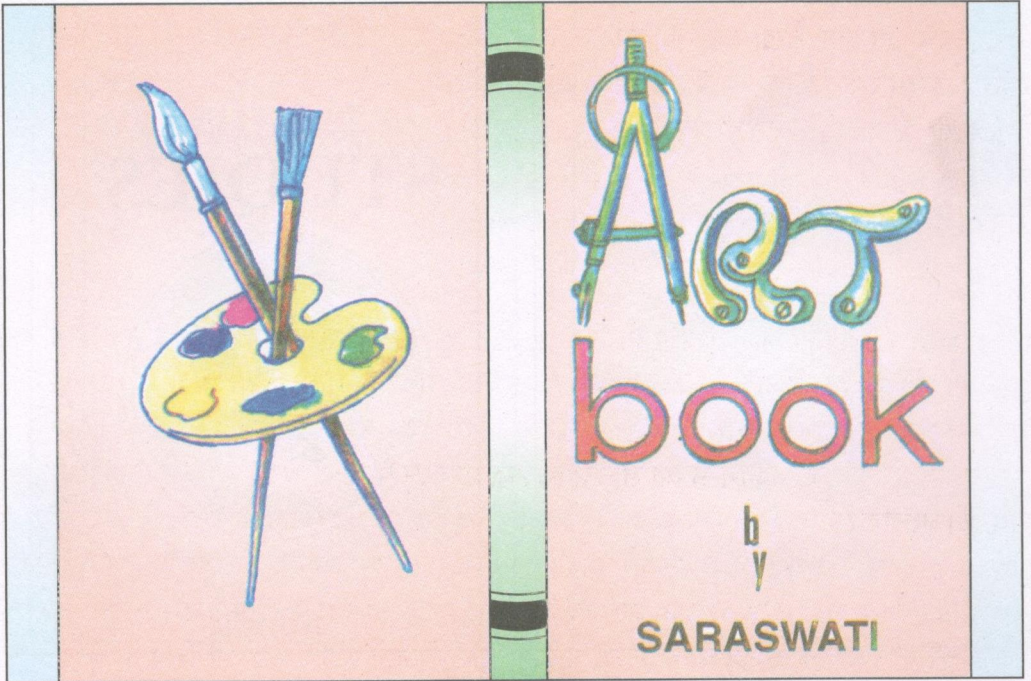
बच्चों को प्रायः देखा जाता है कि पढ़ते समय भी कहानियों, चुटकले आदि की पुस्तकें पढ़ते रहते हैं। इससे स्पष्ट है कि इस प्रकार की पुस्तकें उन्हें बेहद पसन्द होती हैं। बच्चों की इच्छाओं को देखते हुए आजकल कितने ही प्रकार की पुस्तकें छपती हैं। अतः इस अभ्यास में बच्चों की पुस्तकों के लिए Book Cover Design बनाओ। इसमें कार्टून आदि की सहायता बड़ी आसानी से ली जा सकती है। उदाहरण के लिए एक Book Cover Design दिया गया है।

अभ्यास-10

Book Cover Design बनाने के लिए Lettering केवल हिन्दी में ही नहीं अपितु अन्य भाषाओं में भी हो सकती है। खासकर अंग्रेजी का अभ्यास बहुत आवश्यक है। परीक्षा के दृष्टिकोण से भी दोनों प्रकार की Lettering जानना आवश्यक है। क्योंकि परीक्षा में हिन्दी या अंग्रेजी किसी की भी माध्यम से आ सकती है। इस अभ्यास में बच्चों से ही सम्बन्धित विषय चुना गया है। बालदिवस क्यों मनाया जाता है ? किसकी याद में मनाया जाता है ? इस दिन क्या-क्या प्रोग्राम होते हैं ? आदि विषय लेकर Book Cover Design तैयार करो। यद्यपि इसमें हिन्दी अक्षरांकन किया गया है परन्तु आप अंग्रेजी में Children day भी लिख सकते हो। उस दिन कौन सी झांकी या फिर चाचा नेहरू का चित्र, उनका प्रिय गुलाब आदि कुछ भी चित्र के लिए चुन सकते हो।

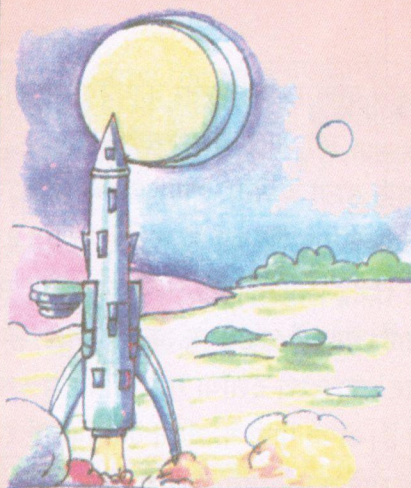
अब आपका कार्य स्तर काफी ऊंचा हो गया है। आपको विषयों पर भी Book Cover बनाने हैं। Design की बहुत ही अच्छी practice आपको होनी चाहिए। अक्षरों की बनावट सही एवं आकर्षक होनी चाहिए, इस अवस्था में आपकी लिखाई में इतना सहीपन आ जाना चाहिए कि देखने वाला कहे कि यह प्रिन्ट किया हुआ है। लिखाई में सुडौलता लाने के लिए पहले अक्षरों की बाहरी रेखा (outline) उस रंग के स्केचपेन से फुटे द्वारा खींचो, जिस रंग से आप अक्षरांकन करना चाहते हैं। बाद में अक्षरों के अन्दर सुन्दर एवं बढ़िया किस्म के ब्रुश से रंग भर दो। इस अभ्यास से 'पनघट' का दृश्य दर्शाया गया है। किस प्रकार औरतें अपनी सहेलियों से क्षणभर के लिए बातें करती हैं। अपने पानी के बर्तन एक किनारे रखकर बातों में मस्त हैं। कई औरतें सिर पर बर्तन रखे हुए भी बातें करती रहती हैं। ऐसे ही कुछ अन्य विषयों पर बनाओ।

अन्त में आपको यह परामर्श दिया जाता है कि कला विषय बहुत अभ्यास मांगता है। आपकी पुस्तक में सभी भाग दिये गए हैं। अतः अपने ज्ञान वर्धन के लिए सभी भागों अर्थात् Illustration, Poster, Textile Design आदि सभी का अध्ययन एवं मनन करें। बारम्बार अभ्यास करें। कार्य में



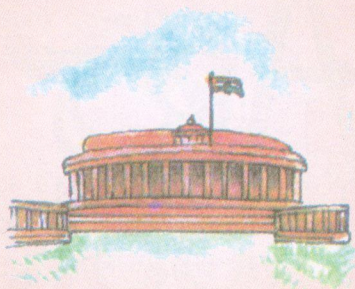


— JAIKRIT SINGH —



SCIENCE

अभ्यास-2

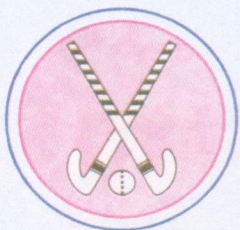


Social STUDIES



JYOTISNA

अभ्यास-3



सी. एल. नेगी



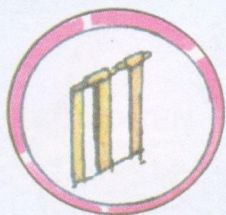
GAMES



SPORTS



अभ्यास-4



भूपेन्द्र राही

क्रिकेट



अभ्यास-5



जोगिन्द्र सिंह

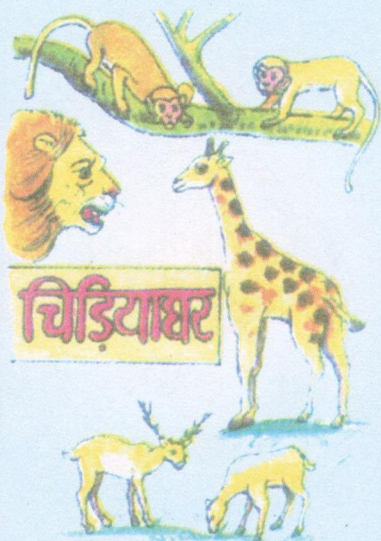
व्यायाम



अभ्यास-6



पंचव सरोतोषी



अभ्यास-7

मेरा हिमाचल

शिवचरण सिंह



अभ्यास-8

CHILDREN
BOOK

हरि मोहन सिंह



अभ्यास-9



अभ्यास-10



अभ्यास-11